



भाकृअनुप-डीजीआर

समाचार पत्र

अंक XXI क्रमांक 1, जनवरी से जून 2022

ICAR-DGR

Newsletter

Vol. XXI, No.1, January - June 2022



विषय-वस्तु

1. भाकृअनुप-डीजीआर, जूनागढ़ में किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम व किसान गोष्ठी आयोजित की गई
2. भाकृअनुप-मूंगफली अनुसंधान निदेशालय, जूनागढ़ में किसानों का दौरा
3. मूंगफली में अल्टरनेरिया लीफ ब्लाइट (अल्टरनेरिया स्पीशीज) के विकास पर बुवाई की तिथि का प्रभाव
4. भाकृअनुप-मूंगफली अनुसंधान निदेशालय, जूनागढ़ में आयोजित 'मूंगफली आधारित प्रौद्योगिकियों' पर प्रक्षेत्र दिवस व प्रदर्शनी
5. भाकृअनुप-डीजीआर, जूनागढ़ में खरीफ मूंगफली में देखे गए कीट जीव
6. भाकृअनुप- मूंगफली अनुसंधान निदेशालय के वैज्ञानिकों का जूनागढ़ कृषि विश्वविद्यालय के बीज उत्पादन प्रक्षेत्रों का दौरा
7. भाकृअनुप- मूंगफली अनुसंधान निदेशालय की अनुसंधान सलाहकार समिति (आरएसी) की बैठक
8. ACZ जोन XIII के लिए गुजरात के मैदानी इलाकों और पहाड़ी क्षेत्र के लिए टास्क फोर्स की बैठक का आयोजन
9. मूंगफली में कृन्तकों की घटना
10. अध्यक्ष, कृषि विकास ट्रस्ट, बारामती का भाकृअनुप- मूंगफली अनुसंधान निदेशालय का दौरा
11. भाकृअनुप- मूंगफली अनुसंधान निदेशालय में राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया गया
12. भाकृअनुप- मूंगफली पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना ने 25-26 अप्रैल, 2022 को वार्षिक समूह बैठक का आयोजन
13. प्रशिक्षण/सम्मेलन/कार्यशालाएं
14. पुरस्कार/सम्मान
15. कार्मिक।

Contents

1. Farmers' training programme-cum-Kisan goshti conducted at ICAR-DGR, Junagadh 2
2. Farmers visit at ICAR-Directorate of Groundnut Research, Junagadh 3
3. Effect of date of sowing on the development of Alternaria Leaf Blight (*Alternaria* spp.) in groundnut 3
4. Field day-cum-exhibition on 'Groundnut based technologies' organized at ICAR-Directorate of Groundnut Research, Junagadh 4
5. Insect fauna observed in *kharif* groundnut at ICAR-DGR, Junagadh 5
6. Visit of ICAR-DGR scientists to JAU seed production plots 6
7. Research Advisory Committee (RAC) Meeting of ICAR-DGR 7
8. Task force meeting held for Gujarat Plains and Hills region for ACZ zone XIII 9
9. Incidence of Rodents in Groundnut 10
10. Visit of Chairman, Agriculture Development Trust, Baramati to ICAR-DGR 11
11. National Girl Child Day celebrated at ICAR-DGR 12
12. Annual Group Meeting of AICRP on Groundnut organized on April 25-26, 2022 13
13. Trainings/conferences/webinars 14
14. Awards & Honours 15
15. Personnel 15

संपादक: रिकु डे, सुष्मिता सिंह, किरण रेड्डी, अजय बीसी, राजन्ना जी.ए. कीर्ति रानी, वी. पापा राव, राजा राम चौधरी, विद्या चौधरी, लोकेश कुमार थवाईत, एस. के. बेरा और सी. एस. प्रहाराज

Editors : Rinku Dey, Sushmita Singh, Kiran Reddy, Ajay BC, GA Rajanna, Kirti Rani, Papa Rao V, Rajaram Choudhary, Vidya Chaudhari, Lokesh Kumar Thawait, SK Bera and CS Praharaj

हमसे जुड़ें - Connect with us :



We want to hear from you: socialmedia@dgr.org.in

प्रकाशक :

निदेशक

भाकृअनुप- मूंगफली अनुसंधान निदेशालय
(आई. एस. ओ 9001:2015 प्रमाणित संस्थान)

पोस्ट बॉक्स नं. 5, इवनगर रोड, जूनागढ़-362001, गुजरात, भारत
वेबसाइट: www.dgr.org.in, **ईमेल:** director.dgr@icar.gov.in
फेक्स: +91 -285-2672550, **फोन:** +91-285-2673041

Published by:

Director

ICAR-Directorate of Groundnut Research
(An ISO 9001:2015 Certified Institute)

PO Box 5, Ivnagar Road, Junagadh-362001, Gujarat, India
website: www.dgr.org.in, **e-mail:** director.dgr@icar.gov.in
Fax: +91-285-2672550, **Phone:** +91-285-2673041

भाकृअनुप-डीजीआर, जूनागढ़ में किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम व किसान गोष्ठी आयोजित की गई

आईसीएआर-डीजीआर ने आईसीएआर-डीजीआर-एससीएसपी कार्यक्रम के तहत अनुसूचित जाति (एससी) के किसानों के लिए "ग्रीष्मकालीन मूंगफली के लाभप्रद उत्पादन हेतु उन्नत उत्पादन क्रियाओं" पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम व किसान गोष्ठी का आयोजन किया। डॉ. चंद्रमोहन संघ (अध्यक्ष); डॉ. पापा राव वी. (सदस्य); डॉ. प्रवीण कोना (सदस्य); व डॉ. एसडी सावलिया (सदस्य) ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन किया। डॉ. केके पाल (पीआई, एबीआई); डॉ. हरीश जी (नोडल अधिकारी, एससीएसपी) और डॉ. किरण कुमार रेड्डी (सह-पीआई, एबीआई) इस पूरे प्रशिक्षण कार्यक्रम में सक्रिय रूप से शामिल थे। प्रशिक्षण कार्यक्रम एबीआई आईसीएआर-डीजीआर के साथ 03.03.2022 से 05.03.2022 तक आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. चंद्रशेखर प्रहराज (निर्देशक) और डॉ. हरीश जी, वैज्ञानिक, नोडल अधिकारी-एससीएसपी द्वारा परिचयात्मक टिप्पणियों से की गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम के पहले, दूसरे व तीसरे दिन अनुसूचित जाति के काजलियाला मोटा, दतराना व विशाल हदमतिया गांव के क्रमशः 80, 68 व 33 किसानों ने भाग लिया। कुल 181 किसानों को

Farmers' training programme-cum-Kisan Goshthi conducted at ICAR-DGR, Junagadh

ICAR-DGR has conducted a three-day training programme-cum-Kisan Goshthi on "Improved production practices for remunerative summer groundnut" for scheduled caste (SC) farmers under ICAR-DGR- SCSP programme. Dr. Chandramohan Sangh (Chairman); Dr. Papa Rao V. (Member); Dr. Praveen Kona (Member); Dr. SD Savaliya (Member) organized the training program. Dr. KK Pal (PI, ABI); Dr. Harish G (Nodal Officer, SCSP) and Dr. Kiran Kumar Reddy (Co-PI, ABI) were also actively involved in this entire training programme. The training programme was organized from 03.03.2022-05.03.2022 along with ABI ICAR-DGR. The programme was kick started with introductory remarks by Dr. Chandra Sekhar Praharaj (Director/Acting) and Dr. Harish G, Scientist, Nodal Officer-SCSP. About 80 SC farmers from Kajaliyala Mota village participated on the 1st day, 68 SC farmers from Datrana village participated on the 2nd day and about 33 farmers from Vishal Hadmatiya village participated on 3rd day of the training programme. A total of 181 farmers were



मूंगफली उत्पादन की नयी प्रौद्योगिकियों, कीट और रोग प्रबंधन, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, गुजरात की विभिन्न उन्नत मूंगफली किस्मों, पोषण संबंधी विकारों के प्रबंधन और जैव उर्वरकों के बारे में प्रशिक्षित किया गया। कार्यक्रम के अंत में किसानों को कृषि किट, पैम्फलेट और विस्तार सामग्री वितरित की गई।

भाकृअनुप- मूंगफली अनुसंधान निदेशालय, जूनागढ़ में किसानों का दौरा

तलेजा तालुका, भावनगर जिला, गुजरात, सीएसपीसी (तटीय लवणता निवारण प्रकोष्ठ), और टाटा ट्रस्ट से 10.03.2022 को पैतालीस किसानों ने डीजीआर का दौरा किया। उन्हें उन्नत मूंगफली उत्पादन प्रौद्योगिकियों के बारे में जानकारी दी गई। तलेजा महुवा, भावनगर जिला, गुजरात, त्रिवेणी कल्याण फाउंडेशन से 07.03.2022 को पैतालीस किसानों ने डीजीआर का दौरा किया। उन्हें उन्नत मूंगफली उत्पादन प्रौद्योगिकियों के बारे में जानकारी दी गई। आत्मा (ATMA), झुंझुनू, राजस्थान से अड़तालीस किसानों ने 25.02.22 को डीजीआर का दौरा किया। उन्हें उन्नत मूंगफली उत्पादन प्रौद्योगिकियों के बारे में जानकारी दी गई। 23.02.2022 को राजुला तालुका, अमरेली जिला, गुजरात, सीएसपीसी (तटीय लवणता निवारण प्रकोष्ठ), और टाटा ट्रस्ट से पैतालीस किसानों ने डीजीआर का दौरा किया। उन्हें उन्नत मूंगफली उत्पादन प्रौद्योगिकियों के बारे में जानकारी दी गई।



मूंगफली में अल्टरनेरिया लीफ ब्लाइट (अल्टरनेरिया स्पीशीज) के विकास पर बुवाई की तिथि का प्रभाव

मूंगफली विश्व की एक महत्वपूर्ण तिलहन और पूरक खाद्य फसल है। भारत में गुजरात, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र और तमिलनाडु पारंपरिक मूंगफली उगाने वाले राज्य हैं। मूंगफली की खेती कवक, वायरस और नेमाटोड जनित रोगों से तबाह हो जाती है। पूरी दुनिया में बीमारियों से होने वाले नुकसान 10-70% के बीच हो सकता है। पर्ण रोगों में, अल्टरनेरिया अल्टरनेटा (एफआर.) केस्लर के कारण होने वाला लीफ ब्लाइट रोग, रोग की तीव्रता के आधार पर फली (22%

trained in recent technologies of groundnut production, pests and disease management, soil health cards, different promising groundnut varieties of Gujarat, management of nutritional disorders and biofertilizers. At the end of the programme, farmers were distributed with farming kits, pamphlets and extension materials.

Farmers visit at ICAR-Directorate of Groundnut Research, Junagadh

Forty-five farmers visited DGR on 10.03.22 from Taleja Taluka, Bhavnagar Dist. Gujarat, CSPC (Coastal salinity prevention cell), and TATA Trusts. They were given information on improved groundnut production technologies. Thirty-five farmers visited DGR on 07.03.22 from Taleja Mahuva, Bhavnagar Dist. Gujarat, Triveni Kalyan Foundation. They were given information on improved groundnut production technologies. Forty-eight farmers visited DGR on 25.02.22 from ATMA, Jhunjhunu, Rajasthan. They were given information on improved groundnut production technologies. Forty-five farmers visited DGR on 23.02.22 from Rajula Taluka, Amreli Dist. Gujarat, CSPC (Coastal salinity prevention cell), and TATA Trusts. They were given information on improved groundnut production technologies.



Effect of date of sowing on the development of Alternaria Leaf Blight (*Alternaria* spp.) in groundnut

Groundnut (*Arachis hypogaea* L.) is an important oilseed and supplementary food crop of the world. In India, Gujarat, Andhra Pradesh, Karnataka, Maharashtra and Tamil Nadu are traditional groundnut growing states. Groundnut cultivation is devastated by fungal, viral and nematode diseases. The losses caused by the diseases may range from 10-70% all over the world. Among the foliar diseases, leaf blight disease

तक) व चारे (63% तक) कि उपज को कम करता है। ग्रीष्म ऋतू के मौसम में गुजरात के जूनागढ़, राजकोट और कच्छ जिलों में किसानों के खेतों में इस रोग को व्यापक स्तर पर तीव्र रूप में देखा गया है।

आईसीएआर-डीजीआर, जूनागढ़ में 5 मीटर लंबे और 5 मीटर चौड़े ब्लॉक में किस्म जीजेजी-22 का उपयोग करते हुए पांच बुवाई तिथियों जैसे एस1-1 जनवरी, एस 2-1 फरवरी, एस 3-2 मार्च, एस 4-1 अप्रैल और एस 5-2 मई में बुवाई करके एक प्रयोग किया गया था। रोग की शुरुआत और रोग की प्रतिशत तीव्रता पर अवलोकनों को रोग के पाये जाने के बाद से समय-समय पर एक सप्ताह के अंतराल पर कटाई तक दर्ज किया गया। पत्ती के शीर्ष भाग का झुलसना, जो हल्के से गहरे भूरे रंग का हो जाता है रोग के विशिष्ट लक्षण थे। रोग की तीव्रता 1-9 रेटिंग पैमाने में 4 से 6 अंक के बीच देखी गई। फरवरी (एस2) के महीने में रोग की तीव्रता सबसे अधिक दर्ज की गई, इसके बाद मार्च (एस 3) और जनवरी (एस 1) में दर्ज की गई। अप्रैल (एस4) और मई (एस5) के महीनों के दौरान मूंगफली की बुवाई में रोग का प्रकोप कम दर्ज किया गया। अल्टरनेरिया अल्टरनेटा को 25-30 °C की इष्टतम तापमान सीमा और 85% व इससे अधिक की सापेक्ष आर्द्रता की आवश्यकता होती है जो रोग के विकास में सहायक होती है।

इनपुट्स: अनंत कुरेला, हरीश जी., नटराज एम. वी., पडवी आर. डी., सावलिया एस. डी. और हर्षिल परमार



भाकृअनुप- मूंगफली अनुसंधान निदेशालय, जूनागढ़ में आयोजित 'मूंगफली आधारित प्रौद्योगिकियों' पर प्रक्षेत्र दिवस व प्रदर्शनी

भाकृअनुप-मूंगफली अनुसंधान निदेशालय ने एससीएसपी के तहत दिनांक 25.02.2022 को "मूंगफली आधारित प्रौद्योगिकियों" पर प्रक्षेत्र दिवस व प्रदर्शनी का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में जूनागढ़ जिले के मालिया तालुका के अच्छीदरा गांव के लगभग 50

caused by *Alternaria alternata* (Fr.) Keissler reduces pod loss (upto 22%) and fodder loss (upto 63%) depending on the disease severity. During summer season a widespread occurrence of this disease has been observed in severe form in farmers' fields at Junagadh, Rajkot and Kutch districts of Gujarat.

An experiment was laid out with five sowing dates viz., S1-1st January, S2-1st February, S3-2nd March, S4-1st April and S5-2nd May using cultivar GJG-22 in the 5m long and 5m wide block at ICAR-DGR, Junagadh. The observations on initiation of disease and percent disease intensity were recorded periodically at an interval of one week after the occurrence of the disease up to harvest. Blighting of the apical portions of leaflets, which turn light to dark brown in color were the characteristic symptoms of the disease. Disease severity was observed in the range of 4 to 6 score out of 1-9 rating scale. The disease intensity was recorded highest in the month of February (S2) followed by March (S3) and January (S1). Sowing of groundnut during the months of April (S4) and May (S5) recorded less disease incidence. *A. alternata* requires optimum temperature range of 25-30°C and relative humidity of 85% and above that favoured the development of disease.

Inputs: Ananth Kurella, Harish. G., Nataraja. M. V., Padvi. R. D., Savalia. S. D. and Harshil Parmar



S2-1st February

Field day-cum-exhibition on "Groundnut based technologies" organized at ICAR-DGR

ICAR-Directorate of Groundnut Research organized Field Day-cum-exhibition on "Groundnut based technologies" on 25.02.2022 under SCSP. In this program around 50 SC farmers from Achhidra village, Maliya Taluka, Junagadh District participated.

अनुसूचित जाति के किसानों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के डॉ हरीश जी संयोजक व श्री अनंत कुरेला सह-संयोजक थे, तथा डॉ किरण कुमार रेड्डी व डॉ पापा राव सदस्य थे। मूंगफली की उच्च ओलिक और उन्नत किस्मों (डॉ कोना प्रवीण द्वारा), मूंगफली के लिए जैव उर्वरक (डॉ के के पाल द्वारा), मूंगफली में सिंचाई और पोषक तत्व प्रबंधन (डॉ किरण कुमार रेड्डी द्वारा) और मूंगफली में कीट और रोग प्रबंधन (डॉ हरीश जी द्वारा) पर व्याख्यान आयोजित किए गए। निदेशक, डीजीआर ने समापन टिप्पणी दी और अनुसूचित जाति के किसानों को फार्म किट वितरित की।



भाकृअनुप-डीजीआर, जूनागढ़ में खरीफ मूंगफली में देखे गए कीट जीव

जूनागढ़ में जुलाई 2022 के दौरान भारी और लगातार मानसूनी बारिश हुई और इससे खरीफ मूंगफली में कीटों की उपस्थिति पैटर्न प्रभावित हुआ होगा। फसल सुरक्षा वैज्ञानिकों के एक दल ने भाकृअनुप-डीजीआर, जूनागढ़ में मूंगफली की फसल से अगस्त के पहले सप्ताह के दौरान कीट जीवों को देखा। मूंगफली के प्रमुख कीटों में केवल एफिड्स और थ्रिप्स का ही संक्रमण देखा गया, वह भी बहुत कम स्तर पर। हालांकि, मूंगफली के पौधों पर विभिन्न प्रकार के कीड़ों को खाते हुए देखा गया, भले ही वे खतरनाक स्तर पर नहीं थे। ऑर्थोप्टेरन, शॉर्ट-हॉर्न और पाइग्मी टिड्डे की प्रजातियां (चित्र 1 और 2); लेपिडोप्टेरन बालों वाली कैटरपिलर, कैटरपिलर, और लूपर प्रजातियां (चित्र 3, 4 और 5); कोलीप्टेरन माइलोसेरस वीविल और लीफ बीटल प्रजातियां (चित्र 6 और 7) कीट देखे गए। पौधों को खाने वाले कीड़ों के अलावा, एफिड्स और उड़ने वाले कीड़ों को खाने वाले लाभकारी आर्थ्रोपोड, क्रमशः कोकिनेलिड्स और मकड़ियों को अच्छी संख्या में देखा गया। मानसून की बारिश में विराम अगस्त, सितंबर और अक्टूबर के महीनों के दौरान डिफोलिएटर कीटों जैसे तंबाकू कैटरपिलर

Dr. Harish G was Convener, Shri Ananth Kurella was Co-convener, Dr Kiran Kumar Reddy and Dr. Papa Rao were members of this program. Lectures were organized on high oleic and improved varieties of groundnut (by Dr Kona Praveen), Biofertilizers for groundnut (by Dr K K Pal), Irrigation and nutrient management in groundnut (by Dr Kiran Kumar Reddy) and Insect pest and disease management in groundnut (by Dr Harish G). Director, DGR gave the concluding remarks and distributed the farm kits to the SC farmers.



Insect fauna observed in *kharif* groundnut at ICAR-DGR, Junagadh

Junagadh received heavy and frequent monsoon rains throughout July 2022 and this might have affected the occurrence pattern of insect pests in *kharif* groundnut. A team of crop protection scientists noted insect fauna during the first week of August from groundnut crop at ICAR-DGR, Junagadh. Among the major insect-pests of groundnut, only infestations of aphids and thrips were observed, that too at very low levels. However, wide variety of insects were observed feeding on groundnut plants, albeit not at alarming infestation levels. Insects observed were, orthopteran, short-horned and pygmy grasshopper species (Fig. 1 & 2); lepidopteran hairy caterpillar, caterpillar, and looper species (Fig. 3, 4 & 5); coleopteran myllocerous weevil and leaf beetle species (Fig. 6 & 7). Apart from plant feeding insects, beneficial arthropods like, coccinellids and spiders were observed in good numbers feeding respectively on aphids and flying insects. A break in the monsoon rains might trigger infestations of defoliator pests like, tobacco caterpillar and gram pod borer

और चने की फली छेदक के संक्रमण कि शुरुआत कर सकता है। इसलिए, कीट गतिकी पर निरंतर नजर रखने की सलाह दी जाती है।

इनपुट्स: नटराज महेशला, हरीश जी और अनंत कुरेला

during the months of August, September and October. Hence, a continuous watch on insect-pest dynamics is advised.

Inputs: Nataraja Maheshala, Harish G and Ananth Kurella



Fig. 1: Short-horned grasshopper

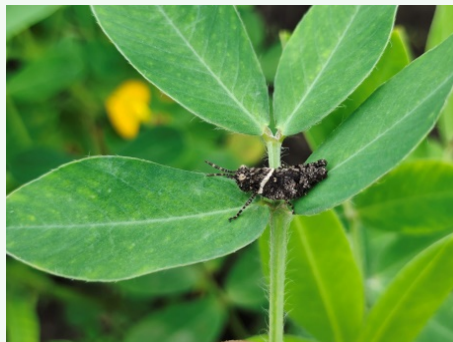


Fig. 2: Pygmy grasshopper

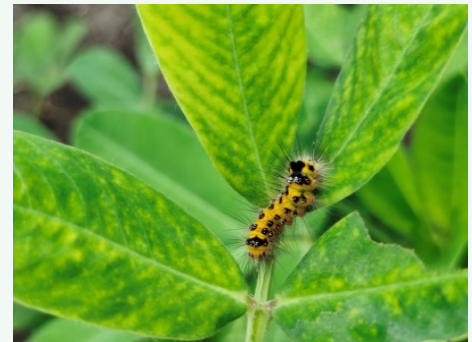


Fig. 3: Hairy caterpillar



Fig. 4: Caterpillar



Fig. 5: Looper

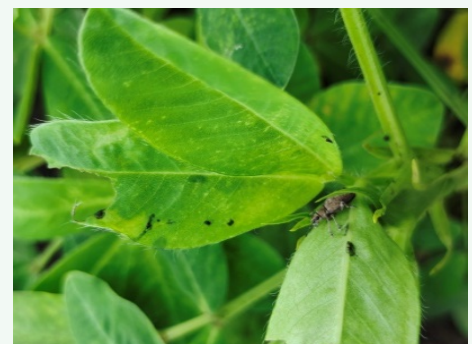


Fig. 6: Myllocerous weevil

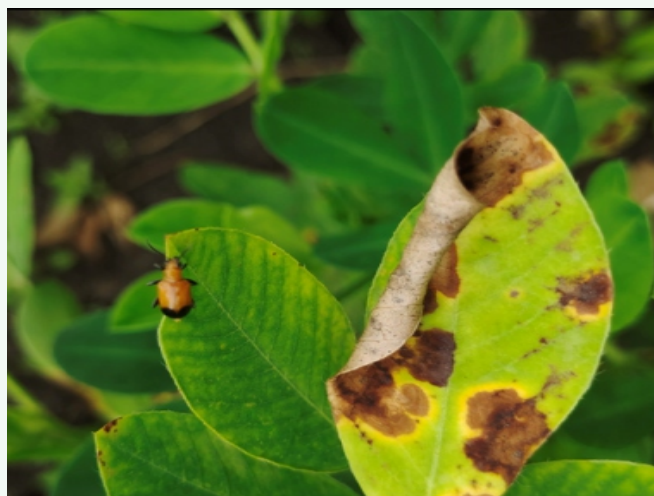


Fig. 7: Leaf beetle

भाकृअनुप-मूँगफली अनुसंधान निदेशालय के वैज्ञानिकों का जूनागढ़ कृषि विश्वविद्यालय के बीज उत्पादन प्रक्षेत्रों का दौरा पादप रोग विज्ञान विभाग के अन्य वैज्ञानिकों के साथ गेहूं फार्म के फार्म मैनेजर, जूनागढ़ कृषि विश्वविद्यालय ने मूँगफली के पौधों के विभिन्न रोग नमूनों के साथ भाकृअनुप-मूँगफली अनुसंधान निदेशालय का दौरा किया | इसलिए, निदेशक मूँगफली अनुसंधान निदेशालय ने जूनागढ़ कृषि विश्वविद्यालय के बीज उत्पादन प्रक्षेत्रों में रोगों और कीटों की घटनाओं की निगरानी के लिए वैज्ञानिकों की

Visit to Junagadh Agricultural University seed production plots

Farm manger of wheat farm along with other scientists from the department of Plant Pathology, JAU visited ICAR-DGR with different disease samples of groundnut plants. Hence, Director DGR sent a team of scientists consisting of Dr. K K Pal, Principal Scientist, Microbiology; Dr. Harish G, Senior scientist, Entomology; and Mr. Ananth Kurella, Scientist, Plant

एक टीम भेजी जिसमें डॉ. के के पाल, प्रधान वैज्ञानिक, सूक्ष्मजीव विज्ञान; डॉ. हरीश जी, वरिष्ठ वैज्ञानिक, कीट विज्ञान; और श्री अनंत कुरेला, वैज्ञानिक, पादप रोग विज्ञान शामिल थे। फार्म मैनेजर ने बताया कि उन्होंने मई 2022 के दूसरे पखवाड़े के दौरान जीजेजी-32 किस्म का बीज उत्पादन शुरू किया है। उन्होंने मृदा जनित रोगों के प्रबंधन के लिए ट्राइकोडर्मा का प्रयोग किया है। जब टीम ने जूनागढ़ कृषि विश्वविद्यालय फार्म का दौरा किया, तो अगेती पर्ण चित्ती, फ्यूजेरियम विल्ट और अप्रला-रूट रोग (1-2%) देखे गए। प्रक्षेत्र से थ्रिप्स क्षति दर्ज की गई और पीबीएनडी घटना के लिए आगे पौधों के नमूनों की पुष्टि की जानी चाहिए। अलग-अलग भूखंड पट्टी में पोषक तत्वों की कमी भी देखी गई।

इनपुट: डॉ हरीश जी, अनंत कुरेला और डॉ के के पाल



Team of scientists inspecting diseases

भाकृअनुप-मूंगफली अनुसंधान निदेशालय की अनुसंधान सलाहकार समिति (आरएसी) की बैठक

अनुसंधान सलाहकार समिति की 23वीं बैठक भाकृअनुप-मूंगफली अनुसंधान निदेशालय, जूनागढ़ में 26-27 मार्च 2022 तक हाइब्रिड मोड में आयोजित की गई थी। बैठक की अध्यक्षता डॉ. ए. बंद्योपाध्याय, पूर्व राष्ट्रीय समन्वयक, एनएआईपी, आईसीएआर, नई दिल्ली, ने की। अनुसंधान सलाहकार समिति सदस्य डॉ. आईयू ध्रुज (पूर्व एडीआर, जेएयू, जूनागढ़), डॉ बी बी सिंह (पूर्व एडीजी (ओ एंड पी), आईसीएआर, नई दिल्ली), डॉ एल एम गार्नायक (पूर्व डीन, कृषि महाविद्यालय, ओयूएटी, भुवनेश्वर), श्री महेंद्रभाई पिठिया (प्रगतिशील किसान, तलाला, गिर-सोमनाथ), श्री ब्रजलालभाई हिरपरा (प्रगतिशील किसान, जूनागढ़) और डॉ. सी. एस. प्रहराज, कार्यकारी निदेशक, भाकृअनुप-डीजीआर ने बैठक में भाग लिया। डॉ संजीव गुप्ता, एडीजी (ओपी) ने ऑनलाइन बैठक में भाग लिया और अपनी टिप्पणी दी। डॉ पीबी कीर्ति स्वास्थ्य कारणों की वजह से बैठक में शामिल नहीं हो सके लेकिन अपने सुझाव ई-मेल के जरिए भेजे। बैठक की शुरुआत अनुसंधान सलाहकार समिति सदस्यों के स्वागत के साथ डॉ. सी.एस. प्रहराज, कार्यकारी निदेशक द्वारा की

Pathology to monitor the diseases and pests incidence in seed production plots of JAU. Farm manager informed that they have taken up seed production of GJG-32 variety during second fortnight of May 2022. They have applied Trichoderma for the management of soil-borne diseases. When the team visited JAU farm, early leaf spot, Fusarium wilt and afla-root diseases were observed (1-2% incidence). Thrips damage was recorded from the field and further plant samples need to be confirmed for PBNB incidence. Nutrient deficiency was also observed in patches.

Input: Dr. Harish G, Ananth Kurella and Dr. K K Pal



Seed production plot

Research Advisory Committee (RAC) Meeting of ICAR-DGR

The 23rd meeting of the Research Advisory Committee was held at ICAR-DGR, Junagadh from 26-27th March 2022 in hybrid mode. The meeting was chaired by Dr. A. Bandyopadhyay, Former National Coordinator, NAIP, ICAR, N. Delhi. The RAC members Dr. IU Dhruj (Former ADR, JAU, Junagadh), Dr BB Singh (Former ADG (O&P), ICAR, N. Delhi), Dr LM Garnayak (Former Dean, College of Agriculture, OUAT, Bhubaneswar), Shri Mahendrabhai Pithiya (Progressive Farmer, Talala, Gir-Somnath), Shri Vrajlalbhair Hirpara (Progressive Farmer, Junagadh), and Dr CS Praharaj, Director (A), ICAR-DGR attended the meeting. Dr Sanjeev Gupta, ADG (OP) attended the meeting virtually and gave his comments. Dr PB Kirti could not attend the meeting because of health issues but sent his suggestions through e-mail. The meeting started with the welcome of RAC members by Dr CS Praharaj, Director (A), followed by self-introduction of

गई, जिसके बाद प्रतिभागियों का परिचय हुआ। निदेशक ने भारत में मूँगफली की स्थिति, निदेशालय में चल रहे अनुसंधान कार्यक्रमों और अब तक की प्रमुख उपलब्धियों की रूपरेखा प्रस्तुत की। डॉ. एस. के. बेरा, सदस्य सचिव, अनुसंधान सलाहकार समिति ने 4-5 सितंबर 2020 को आयोजित अनुसंधान सलाहकार समिति की पिछली बैठक की सिफारिशों पर की गई कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत की। चल रही परियोजनाओं की कार्य रिपोर्ट व्यापक चर्चा के लिए समिति के समक्ष प्रस्तुत की गई और अनुसंधान सलाहकार समिति के सुझावों के अनुसार परियोजनाओं की भविष्य की कार्य योजना को संशोधित किया गया। इस बैठक में 17 वैज्ञानिकों (भाकृअनुप-मूँगफली अनुसंधान निदेशालय क्षेत्रीय स्टेशनों, बीकानेर और अनंतपुर सहित) ने भाग लिया। अध्यक्ष ने विभिन्न केंद्रों या मांगकर्ताओं को जर्मप्लाज्म रखरखाव और वितरण के लिए ऑनलाइन ट्रेकिंग प्रणाली विकसित करने पर जोर दिया। अध्यक्ष ने इस बात पर प्रकाश डाला कि पौधों द्वारा दर्शाए गए वायरस या वेक्टर प्रतिरोध को चित्रित करने की आवश्यकता है। अनुसंधान सलाहकार समिति ने फंगल बायोकंट्रोल एजेंटों के उपयोग की खोज करने का सुझाव दिया, क्योंकि वे पौधे की रक्षा तंत्र को चालू करने में बहुत अच्छे हैं। समिति ने आने वाली पीढ़ियों में परिवर्तनशीलता पैदा करने के लिए ईएमएस का उपयोग करने के बजाय कम खुराक विकिरण का उपयोग करने का सुझाव दिया। समिति ने जीनोम एडिटिंग और वायरस रैपिड डिटेक्शन किट के विकास के लिए क्लोनिंग प्रोटोकॉल विकसित करने का सुझाव दिया। अनुसंधान सलाहकार समिति ने सुझाव दिया कि पोषक तत्व अवशोषण के दौरान पौधों के विभिन्न हिस्सों में Fe और Zn विभाजन, प्रारंभिक मिट्टी उपलब्ध और कुल पोषक तत्व की स्थिति का भी उल्लेख करें। समिति ने आसानी से समझने के लिए लक्ष्य के अनुसार उपलब्धियों और आउटपुट का उल्लेख करने का सुझाव दिया। समिति ने रूट ग्रब के प्रबंधन के लिए उपलब्ध तकनीकों को संकलित करने और व्यापक दस्तावेज प्रस्तुत करने तथा राजस्थान में परीक्षण एवं ग्रब नियंत्रण के लिए उपयुक्त तकनीक विकसित करने का सुझाव दिया। समिति ने कम अवधि (90 दिन) स्पेनिश बंच किस्म विकास कार्यक्रम में न्यूनतम 2 सप्ताह की निष्क्रियता अवधि तय करने का सुझाव एवं मूँगफली की किस्मों में शारीरिक परिपक्वता की पहचान के लिए प्रोटोकॉल विकसित करने का भी सुझाव दिया। समिति ने यह भी सुझाव दिया कि सूखे प्रयोगों में मिट्टी की नमी 0-15, 15-30 और 30-45 सेमी जड़ गहराई से ली जानी चाहिए और सिंचाई, वर्षा, हवा की गति और तापमान पैटर्न के साथ भी सहसंबंधित होना चाहिए। बढ़ती डिग्री दिनों, मिट्टी के प्रकार, मौसम के मापदंडों और शारीरिक परिपक्वता, मौसम के संदर्भ में कम अवधि के स्पेनिश बंच प्रजनन लाइनों का बहु-स्थान परीक्षण किया जाना है। दिनांक 27 मार्च, 22 को अनुसंधान सलाहकार समिति द्वारा प्रक्षेत्र का दौरा किया गया।

the participants. The Director presented an outline of the groundnut situation in India, the research programmes being carried out in the Directorate and the major achievements so far. Dr SK Bera, Member Secretary, RAC presented the action taken report on the recommendations of the last meeting of RAC held on 4-5th September 2020. Work done reports of the ongoing projects were presented before the committee for extensive discussion and the future work plan of the projects were modified as per the suggestions of the research advisory committee. It was attended by 17 scientists (including ICAR-DGR regional stations, Bikaner and Anantapur). The chairman emphasized to develop online tracking system for germplasm maintenance and distribution to different centers or indenters. Chairman highlighted that there is a need to delineate the virus or vector resistance depicted by the plant. The RAC committee suggested exploring the use of fungal biocontrol agents, since they are very good at triggering the plant defense mechanisms. The committee suggested using the low dose radiation instead of using EMS for causing the variability in the advancing generations. The committee suggested developing the cloning protocol for genome editing and development of virus rapid detection kits. The house suggested mentioning Fe and Zn partition in different plant parts during uptake and also initial soil available and totaling nutrient status. The committee suggested mentioning the achievements and outputs target wise for easy understanding. The committee suggested to compile the available technologies for management of root grub and submit comprehensive document and also develop technology suitable for root grub control, to be tested in Rajasthan. The committee also suggested for fixing minimum 2 week dormancy period in the short duration (90 day) Spanish bunch variety development program. The committee also suggested developing the protocol for identifying the physiological maturity in groundnut cultivars. The committee also suggested that in drought experiments soil moisture should be taken from 0-15, 15-30 and 30-45 cm root depth and also correlate with irrigation, rainfall, wind speed and temperature patterns. Multi-location testing of short duration Spanish bunch breeding lines to be done using the growing degree days, soil type, weather parameters and physiological maturity, season into context. On 27.03.22, field visit was done by the RAC committee.

अनुसंधान सलाहकार समिति फील्ड लेआउट और प्रयोगों की सामान्य स्थिरता से बहुत संतुष्ट थी। अध्यक्ष महोदय, कीटों द्वारा कीटनाशक प्रतिरोध से बचने के लिए, एक अलग परीक्षण में कीट प्रतिकारकों का उपयोग करने का सुझाव दिया। सदस्य सचिव द्वारा अध्यक्ष और अनुसंधान सलाहकार समिति को धन्यवाद प्रस्ताव के साथ बैठक समाप्त हुई।

The RAC committee was very satisfied with the field layout and the general serenity of the experiments. Chairman, suggested to use the insect repellants in a separate trial, to avoid the pesticide resistance by insects. The meeting ended with the vote of thanks to the Chair and members, RAC by the member secretary.



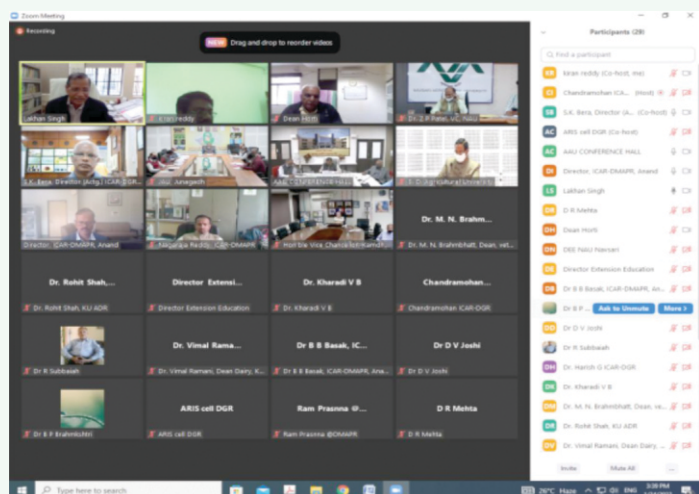
ACZ जोन XIII के लिए गुजरात के मैदानी इलाकों और पहाड़ी क्षेत्र के लिए टास्क फोर्स की बैठक का आयोजन

ACZ जोन XIII के लिए गुजरात के मैदानी इलाकों और पहाड़ी क्षेत्र के लिए टास्क फोर्स की मुख्य बैठक 24 जनवरी, 2022 को ऑनलाईन टास्क फोर्स के अध्यक्ष (डॉ केबी कथिरिया, माननीय कुलपति, आनंद कृषि विश्वविद्यालय, आनंद) और संयोजक (डॉ एसके बेरा, कार्यकारी निदेशक, भाकृअनुप-मूंगफली अनुसंधान निदेशालय, जूनागढ़) द्वारा आयोजित की गई। बैठक के लिए संदर्भ की शर्तें 1. सामान्य बाधाओं, अनुसंधान प्राथमिकताओं की पहचान करने और ACZ के भीतर उन्हें संबोधित करने के लिए उपयुक्त रणनीतियों का सुझाव देना। 2. ACZ के अंतर्गत एआईसीआरपी/एआईएनपी सहित विभिन्न कृषि शिक्षा और अनुसंधान संस्थानों के लिंकेज और निगरानी तंत्र की पहचान करना। 3. कृषि विज्ञान केंद्र, कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेंसी (ATMA) और संबंधित विभागों

Task force meeting held for Gujarat plains and Hills region for ACZ zone XIII

Main meeting of task force for Gujarat plains and Hills region for ACZ zone XIII was held on 24.01.2022 by Task force Chairman (Dr. K. B. Kathiria, Hon. Vice chancellor AAU, Anand) and convener (Dr. SK Bera, Director (A), ICAR-DGR, Junagadh) virtually. The ToR (terms of reference) for the meeting were 1. To suggest suitable strategies for identifying common constraints, research priorities and addressing the same within the ACZ; 2. To identify the institutions, linkages and monitoring mechanisms among various agricultural education and research institutions including AICRPs/AINPs within the ACZ, 3. To suggest the strategy for extension mechanism within the ACZ involving KVKs, ATMA and line departments. Power point presentations were given by different

को शामिल करते हुए ACZ के भीतर विस्तार तंत्र के लिए रणनीति का सुझाव देना। कृषि जैसे विभिन्न कार्य समूहों द्वारा पावर प्वाइंट प्रस्तुतियां दी गईं; डॉ. ईएम चौहान, माननीय कुलपति, एसडीएयू ने उप समूह 1; जैविक खेती सहित फसल सुधार और उत्पादन पर प्रस्तुति दी। डॉ. एन.के. गोंटिया, माननीय कुलपति, जूनागढ़ कृषि विश्वविद्यालय, जूनागढ़ ने उप समूह 2 और 3; फसल संरक्षण और कृषि अभियांत्रिकी, कटाई उपरांत प्रौद्योगिकी पर प्रस्तुति दी। पर डॉ. जेडपी पटेल, नवसारी कृषि विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति ने जैविक खेती सहित बागवानी पर प्रस्तुति दी। डॉ. एन.एच. केलावाला, कामधेनु विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति ने पशुपालन और मत्स्य पालन पर प्रस्तुति दी। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. एचबी पटेल, आनंद कृषि विश्वविद्यालय ने विस्तार पर प्रस्तुति दी। अध्यक्ष का मत था कि किसानों को फसल सुरक्षा प्रथाओं के त्वरित प्रसार के लिए एक मोबाइल प्लांट क्लिनिक सुविधा विकसित की जानी चाहिए। सभी कार्य समूह प्रमुखों को सुझावों को शामिल कर अंतिम संकलन के लिए रिपोर्ट भेजने का निर्देश दिया गया।



working groups like Agriculture; Dr. EM Chauhan, Hon.VC, SDAU gave the presentation on Sub group 1: Crop improvement and production including organic farming, Dr. NK Gontia, Hon. VC, Junagadh Agricultural University, Junagadh gave the presentation on Sub group 2 and 3: Crop Protection and Agriculture Engineering, Post harvest Technology. Dr. ZP Patel, Hon. VC, Navsari Agriculture University gave the presentation on Horticulture including Organic farming. Dr. NH Kelawala, Hon. VC, Kamdhenu University gave the presentation on Animal Husbandry and Fisheries. Dr. HB Patel, Director of Extension Education, AAU gave the presentation on extension. Chairman opined that a mobile plant clinic facility should be developed for quick dissemination of crop protection practices to the farmers. All the working group heads were instructed to include the suggestions and send the report for final compilation.



मूँगफली में कृन्तकों की घटना

कृतक अंकुरित बीजों को कुतर कर नुकसान पहुंचाते हैं, अधिकतम नुकसान फली बनने और फसल की परिपक्वता अवस्था के दौरान पाया जाता है। कृतक पौधे के आधार के पास बिल बनाते हैं, जड़ों और फलियों को काटते हैं और विकसित फली से बीज खाते हैं। बीजों में वसा की मात्रा चूहों को आकर्षित करती है और नुकसान की ओर ले जाती है। जड़ क्षतिग्रस्त हो जाने के कारण कभी-कभी पौधे भी मुरझा जाते हैं। लेसर बैंडिकूट: बैंडिकोटा बेंगालेंसिस (ग्रे), फील्ड माउस: मस बूडुगा (ग्रे), सॉफ्ट फरर्ड फील्ड रैट: मिलार्डिया मेल्टडा (ग्रे), इंडियन गेरबिल: टेटरा इंडिका (हार्डविक), ब्राउन स्पाइनी माउस: मस प्लैटिथ्रिक्स (बेनेट) मूँगफली में आमतौर पर देखी जाने वाली कुछ कृतक प्रजातियां हैं। भोजन के वैकल्पिक स्रोत को कम करने के लिए कृतक आवास को ध्वस्त करके और खरपतवार मुक्त फसल को बनाए रखने के द्वारा कृन्तकों का प्रबंधन किया जा सकता

Incidence of Rodents in Groundnut

Rodents cause damage to germinating seeds by nibbling, maximum damage is found during the pod formation and maturity stages of the crop. Rodents will make the burrow near the plant base, cut the roots and pods and eat the seeds from developed pods. Fat content in the seeds attract the rats and leads to losses. Due to root damage sometimes plants also wither. Lesser bandicoot: *Bandicota bengalensis* (Gray), Field mouse: *Mus booduga* (Gray), Soft furred field rat: *Millardia meltada* (Gray), Indian Gerbil: *Tatera indica* (Hardwicke), Brown spiny mouse: *Mus platythrix* (Bennett) are some of the rodent species observed commonly in groundnut. Rodents can be managed by demolishing the rodent habitat and maintain weed free crop to reduce alternate source of food, burrow smoking

है, 2-3 मिनट के लिए प्राकृतिक धुआँ सामग्री का उपयोग करके बिल में धुआँ किया जा सकता है। प्रत्येक बिल के लिए 0.005% ब्रोमैडिओलोन केक उपयोग करने के लिए तैयार रूप (मोम ब्लॉक) या पैकेट में ढीले चारा का उपयोग किया जा सकता है। कृन्तकों का प्रकोप बहुत अधिक होने पर 2% जिंक फास्फाइड जहर चारा का उपयोग किया जा सकता है। हमने रबी-ग्रीष्मकालीन मूँगफली में लगभग 2 से 5% तक सस्य विज्ञान के भूखंडों में कृतक क्षति, क्षतिग्रस्त जड़ों और फली के लक्षणों के साथ देखा। हमने प्लॉट में विभिन्न प्रवेश और निकास छेद भी देखे।

इनपुट: डॉ. हरीश जी, नटराज एम वी, अनंत कुरेल्ला, किरण रेड्डी और डॉ. सी एस प्रहराज



Burrow of rodents in groundnut

अध्यक्ष, कृषि विकास ट्रस्ट, बारामती का भाकृअनुप-मूँगफली अनुसंधान निदेशालय का दौरा

कृषि विकास ट्रस्ट, बारामती के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र पवार ने कृषि विज्ञान केंद्र बारामती के कर्मचारियों के साथ दिनांक 20 मार्च, 2022 को भाकृअनुप-मूँगफली अनुसंधान निदेशालय का दौरा किया। डॉ. सी. एस. प्रहराज, निदेशक, भाकृअनुप-मूँगफली अनुसंधान निदेशालय ने स्वागत भाषण दिया, जिसके बाद डॉ. के. के. पाल, प्रधान वैज्ञानिक, सूक्ष्मजीव विज्ञान ने मूँगफली मूल्यवर्धन, मूल्य श्रृंखला, महाराष्ट्र के लिए मूँगफली पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के तहत विकसित किस्मों, भाकृअनुप-मूँगफली अनुसंधान निदेशालय द्वारा विकसित नवीन प्रौद्योगिकियों और जैव उर्वरकों पर विस्तृत प्रस्तुति दी। डॉ. राजेन्द्र पवार ने महाराष्ट्र में मूँगफली के घटते रकबे और उत्पादन तथा इससे जुड़ी बाधाओं के बारे में जानकारी ली। डॉ. एस.के. बेरा, प्रधान वैज्ञानिक, पादप प्रजनन ने बताया कि कपास, सोयाबीन जैसी प्रतिस्पर्धी फसलों ने खरीफ में मूँगफली के क्षेत्र को घटा दिया, और कठोर शुष्क जलवायु परिस्थितियाँ एवं किसानों के खेतों में सुनिश्चित सिंचाई स्रोतों की कमी के कारण रबी-ग्रीष्म में कम पैदावार होती है। महाराष्ट्र में

can be done using natural smoking materials for 2-3 min. for each burrow, application of 0.005% bromadiolone cake ready to use form (wax blocks) or loose bait in packet can be used. Application of 2 % zinc phosphide poison baits can be used when the rodent infestation is very high. We observed rodent damage around 2 to 5 % in *rabi*-summer groundnut in agronomy plots with symptoms of wilting, damaged roots and pods. We also observed various entry and exit holes in the plot.

Input: Dr. Harish G, Nataraja M V, Ananth Kurella, Kiran Reddy and Dr. C S Praharaj



Crop damaged by rodents

Visit of Chairman, Agriculture Development Trust, Baramati to ICAR-DGR

Chairman of Agriculture Development Trust, Baramati, Dr. Rajendra Pawar along with KVK Baramati staff visited the ICAR-DGR on 20.03.22. Dr. CS Praharaj, Director of ICAR-DGR gave the welcome remarks, followed by detailed presentation by Dr. KK Pal, Principal Scientist, Microbiology on groundnut value addition, value chain, varieties developed under AICRPG for Maharashtra, Innovative technologies and biofertilizers developed by DGR. Dr. Rajendra Pawar enquired about the decreasing area of groundnut and production in Maharashtra and constraints associated with it. Dr. SK Bera, Principal Scientist, Plant Breeding, explained that the competitive crops like cotton, soybean have eaten into the area of groundnut in *kharif*, and low yields in *rabi*-summer are due to the harsh dry climatic conditions, without assured irrigation sources in the farmers fields. The visit ended with vote of thanks

मूँगफली किसानों की कृषि आय बढ़ाने के लिए आईसीएआर-डीजीआर के समर्थन पर प्रकाश डालते हुए डॉ. बेरा द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ दौरा समाप्त हुई।



by Dr. Bera, highlighting the support of ICAR-DGR for enhancing the farm incomes of groundnut farmers in Maharashtra.

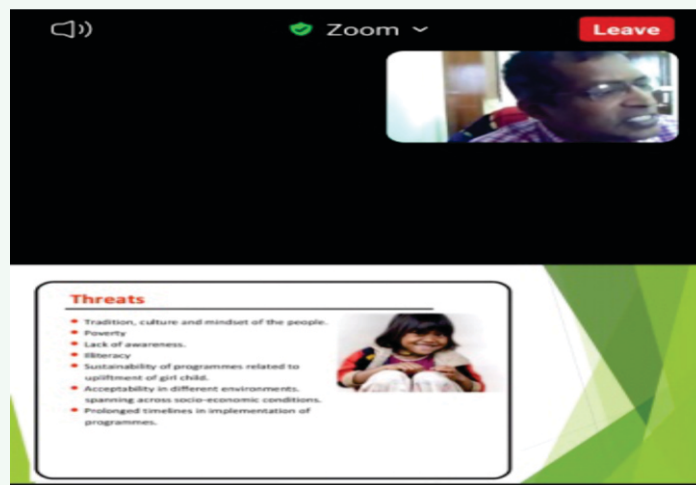


भाकृअनुप-मूँगफली अनुसंधान निदेशालय में राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया गया

आजादी का अमृत महोत्सव के तहत 24 जनवरी, 2022 को भाकृअनुप-मूँगफली अनुसंधान निदेशालय में राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया गया। फसल उत्पादन इकाई के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. सीएस प्रहराज ने स्वागत भाषण दिया जिसमें उन्होंने जोर देकर कहा कि बालिकाओं के अधिकारों के बारे में जागरूकता पैदा करने और उन्हें हर संभव अवसर देने और राष्ट्र के बालिकाओं का समर्थन और समाज में लिंग आधारित पूर्वाग्रहों को दूर करने की आवश्यकता है। इसके बाद डॉ. रिकू डे, प्रधान वैज्ञानिक, सूक्ष्मजीव विज्ञान ने भाषण दिया, जिन्होंने राष्ट्रीय बालिका दिवस के इतिहास पर विचार-विमर्श किया और बालिकाओं के कल्याण के लिए चलाए जा रहे भारत सरकार और आईसीएआर द्वारा विभिन्न योजनाओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान की निदेशक डॉ. पद्मिनी स्वैन थीं। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि अर्थव्यवस्था और समाज के विभिन्न क्षेत्रों में बच्चियां किस प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं। इसके बाद निदेशक डॉ. एसके बेरा ने समापन भाषण दिया, अंत में डॉ. सुष्मिता सिंह, वैज्ञानिक, पादप कार्यिकी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

National Girl Child Day celebrated at ICAR-DGR

National Girl Child Day was celebrated at ICAR-DGR on 24.01.2022 under the Azadi Ka Amrit Mahotsav. Dr. CS Praharaj, principal scientist, Crop Production Unit, gave the welcome address in which he stressed that there is a need to create awareness about the rights of a girl child and to give them opportunities like everyone else, and to support the girl child of the nation and remove gender-based biases in society. It was followed by the address by Dr. Rinku Dey, Principal Scientist, Microbiology, who deliberated on the history of the national girl child day, and highlighted the different schemes by the GoI and ICAR for the welfare of girl child. Dr. Padmini Swain, Director, NRRI was the chief guest of the function. She highlighted how the girl children are performing exceedingly well in different sectors of the economy and the society. It was followed by the concluding remarks by the Director Dr. SK Bera, followed by Vote of Thanks by Dr. Sushmita S, Scientist, Plant Physiology.



भाकृअनुप-मूंगफली पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना ने 25-26 अप्रैल, 2022 को वार्षिक समूह बैठक का आयोजन किया

मूंगफली पर वार्षिक समूह बैठक (एजीएम) 25- 26 अप्रैल, 2022 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित की गई। डॉ. सीएस प्रहराज, निदेशक (कार्यकारी), भाकृअनुप-मूंगफली अनुसंधान निदेशालय, जूनागढ़ ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और मूंगफली पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना, रबी-ग्रीष्म, 2020-21 और खरीफ, 2021 के दौरान बनाया गया



कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएं प्रस्तुत कीं। डॉ. संजीव गुप्ता, एडीजी (ओ एंड पी), आईसीएआर और एजीएम के सह-अध्यक्ष ने मूल्यांकन और पहचान के लिए उन्नत किस्म परीक्षणों में प्रविष्टियों को बढ़ावा देने हेतु आवश्यक दिशानिर्देशों के लिए एक समिति के गठन की सलाह दी। डॉ. टी.आर. शर्मा, डीडीजी (सीएस), आईसीएआर और उद्घाटन सत्र के अध्यक्ष ने उल्लेख किया कि मूंगफली के आनुवंशिक आधार को व्यापक बनाने के लिए प्री-ब्रीडिंग पर मुख्य जोर दिया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि प्रजनन कार्यक्रम को आधुनिक दृष्टिकोणों जैसे स्पीड ब्रीडिंग, प्रमुख जैविक और अजैविक तनाव के लिए क्यूटीएल मैपिंग, जीनोम वाइड एसोसिएशन मैपिंग टूल, सूखा सहिष्णुता के लिए जीनोम एडिटिंग टूल्स का उपयोग, अफ्लाटॉक्सिन संदूषण को संबोधित करने के लिए आरएनए-आई तकनीक के माध्यम से मजबूत किया जाना चाहिए। डॉ. एस.के. बेरा, पीआई, फसल सुधार, डॉ. बी.एस. येनागी, पीआई, फसल उत्पादन, डॉ. के.वेमना, पीआई, फसल संरक्षण, डॉ. किरण कुमार रेड्डी, पीआई, एफएलडी और डॉ. प्रवीण कोना, नोडल अधिकारी (बीएसपी) ने कार्रवाई रिपोर्ट एवं एआईसीआरपी-जी खरीफ, 2021 के दौरान प्राप्त शोध निष्कर्ष प्रस्तुत किए तथा रबी-ग्रीष्म, 2020-21 और खरीफ, 2022 एवं रबी-ग्रीष्म, 2022-23 के लिए तकनीकी कार्यक्रम प्रस्तुत किए। पूर्ण सत्र में, डॉ. एन. के. गोंटिया, माननीय कुलपति, जेएयू, जूनागढ़ ने एआईसीआरपी-जी में किए गए प्रयासों और पिछले वर्ष के दौरान की गई उपलब्धियों की सराहना की और मूंगफली की खेती में मशीनीकरण को लागू करने का सुझाव एवं विशेष रूप से कीट और

ICAR-AICRP on Groundnut organized annual group meeting on April 25-26, 2022

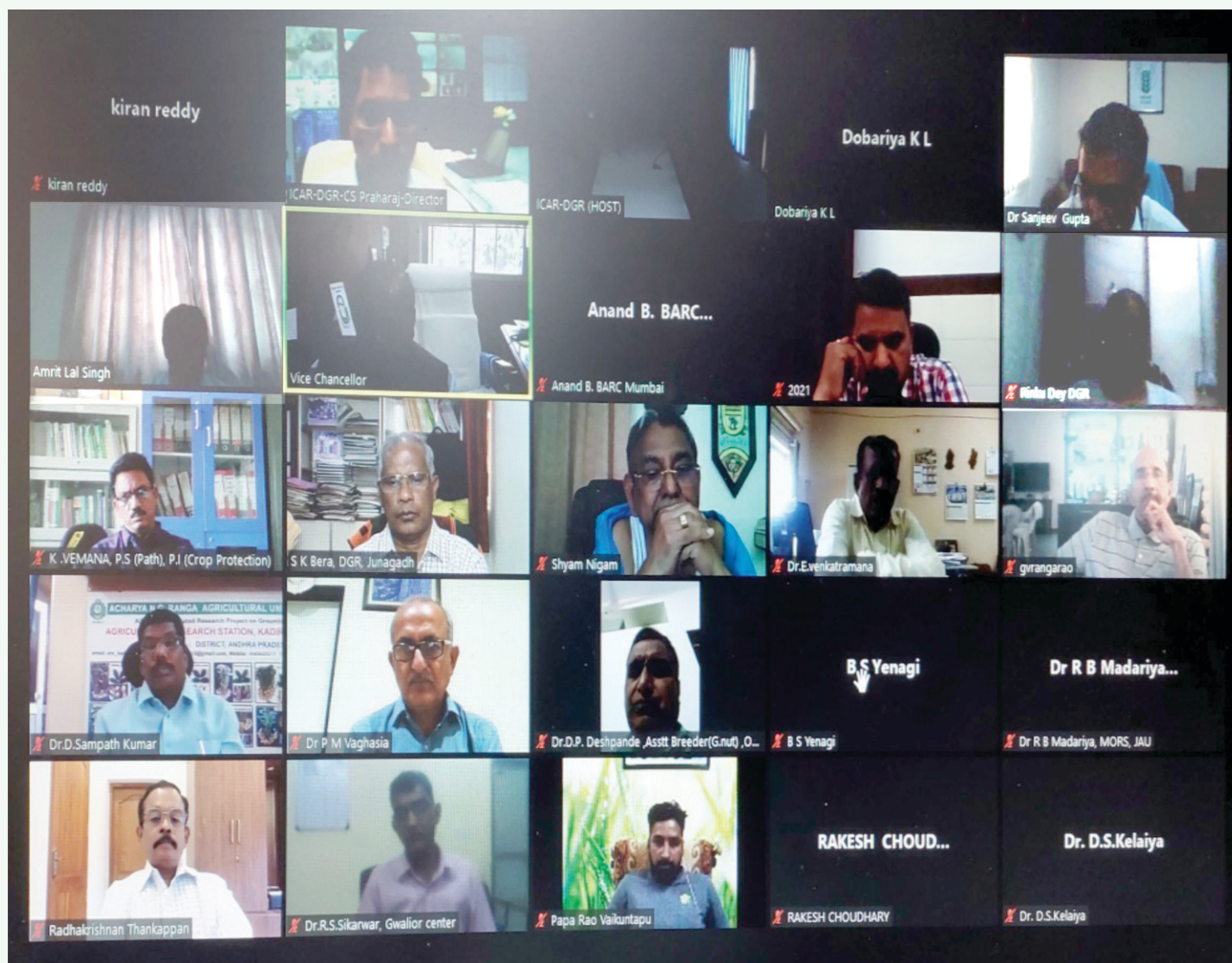
The Annual Group Meeting (AGM) on groundnut was organized through video conferencing on 25- 26, April 2022. Dr. CS Praharaj, Director (A), ICAR-DGR, Junagadh welcomed all the participants and presented the highlights of AICRP-G programme made during *rabi*-summer, 2020-21 and *kharif*, 2021. Dr. Sanjeev Gupta, ADG (O&P), ICAR and co-chairman of the AGM advised for constitution of a committee for necessary guidelines for promoting entries to advanced varietal trials for evaluation and identification. Dr. T.R. Sharma, DDG (CS), ICAR and chairman of the inaugural session mentioned that pre-breeding should be given main emphasis to broaden the genetic base of groundnut. He also mentioned that breeding programme should be strengthened through modern approaches like speed breeding, QTL mapping for major biotic and abiotic stress, genome wide association mapping tools, use of genome editing tools for drought tolerance, RNAi technology for addressing aflatoxin contamination. Dr. S.K. Bera, PI, Crop Improvement, Dr. B.S. Yenagi, PI, Crop Production, Dr.



K. Vemana, PI, Crop Protection, Dr. Kiran Kumar Reddy, PI, FLDs and Dr. Praveen Kona, Nodal officer (BSP) presented the Action Taken Reports, research findings of AICRP-G during *kharif*, 2021 and *rabi* summer, 2020-21 and technical programme for *kharif*, 2022 and *rabi*-summer, 2022-23. In the plenary session, Dr. N. K. Gontia, Honorable Vice-Chancellor, JAU, Junagadh appreciated the efforts made in AICRPG and the accomplishments made during the last year and suggested to implement mechanization in groundnut cultivation especially using drone technology in monitoring the pest and diseases. He also stressed upon

बीमारियों की निगरानी में ड्रोन तकनीक का उपयोग पर बल दिया | उन्होंने सूक्ष्म सिंचाई और नई किस्मों को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया | विभिन्न एआईसीआरपी-जी केंद्रों के सेवानिवृत्त वैज्ञानिकों को भी पूर्ण सत्र में सम्मानित किया गया | मूंगफली अनुसंधान एवं विकास में शामिल सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले देश के विभिन्न हिस्सों से लगभग 150 प्रतिभागियों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मूंगफली पर वार्षिक समूह बैठक के विभिन्न सत्रों में भाग लिया | डॉ. प्रवीण कोना, नोडल अधिकारी, एआईसीआरपी-जी ने औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया |

to promote micro irrigation and new varieties. The retiring scientists from various AICRP-G centers were also felicitated in the plenary session. Around 150 participants from various parts of the country representing both public and private sectors involved in groundnut R&D participated in various sessions of the Annual Group Meeting on Groundnut through Video Conferencing. Dr. Praveen Kona, Nodal Officer, AICRP-G proposed the formal vote of thanks.



Trainings/ Conferences/ Workshops attended

Dr. Harish G, Senior scientist, Entomology attended

- Online Management Development Programme on “Intellectual Property Valuation and Technology Management” Organized by ICAR-NAARM, Hyderabad during 18-22 January, 2022
- Online Training Programme on “Competency Enhancement Programme for Effective Implementation of Training Functions by HRD Nodal Officers of ICAR” Organized by ICAR-NAARM, Hyderabad during 21 – 23 February, 2022
- IVth International Conference on ICAAAS-2022 held during 12-14 June 2022 at Himachal Pradesh University, Summer Hill, Shimla, H.P., India (online)

Awards/ Honours

Dr. Harish G. received

- Best Oral Presentation Award for “Bio-efficacy of insecticides on *Helicoverpa armigera* (Hub.) in kharif Groundnut” In IVth International Conference on ICAAS-2022 held during 12-14 June 2022 at Himachal Pradesh University, Summer Hill, Shimla, H.P., India.

कार्मिक Personnel

Joining/ Transfer/Superannuation

सेवा-निवृत्ति - Superannuation



श्रीमती वी. एस. चौधरी,
मुख्य तकनीकी अधिकारी,
भाकृअनुप-मूँगफली अनुसंधान निदेशालय

Mrs. V. S. Chaudhari
Chief Technical Officer
ICAR-DGR, Junagadh

31.05.2022 को सेवानिवृत्त
Superannuated on 31.05.2022



श्री दिनकर सचानिया,
टी1, भाकृअनुप-मूँगफली अनुसंधान
निदेशालय, जूनागढ़

Dinkar Sachania
T1, ICAR-DGR, Junagadh

28.02.2022 को सेवानिवृत्त
Superannuated on 28.02.2022



श्री के. टी. कापड़िया,
टी1, भाकृअनुप-मूँगफली अनुसंधान
निदेशालय, जूनागढ़

Sh. K. T. Kapadia
T1, ICAR-DGR, Junagadh

31.05.2022 को सेवानिवृत्त
Superannuated on 31.05.2022



श्री जे. जी. अग्रवत,
कुशल सहायक कर्मचारी, भाकृअनुप-मूँगफली
अनुसंधान निदेशालय, जूनागढ़

Sh. J. G. Agravat
SSS, ICAR-DGR, Junagadh

30.06.2022 को सेवानिवृत्त
Superannuated on 30.06.2022



हर कदम, हर डगर
किसानों का हमसफर
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद

Agrisearch with a human touch